दिव्य कुम्भ, भव्य कुम्भ

कुम्भ मेला 2019, प्रयागराज

तीर्थराज प्रयाग की
पंचकोसी परिक्रमा

7 से 9 फरवरी 2019

यह शुभअवसर शुभ मास है
सभी देवी-देवताओं का होता वास है
पंचकोसी परिक्रमा कर जीवन धन्य बनाएं
सभी तीर्थों का पुण्य कमाएं

पौराणिक मान्यता

"दुर्वासा पूर्व भागे निवसति, बदरी खण्ड नाथ प्रतीच्याम।
पर्णाशा याम्यभागे धनददिशि तथा मण्डलश्च मुनीशः।।
पंचकोशे त्रिवेण्याम् परित इह सदा सन्ति सीमांत भागे।
सुक्षेत्रं योजनानां शर्मित ममितो मुक्ति पदन्तत।।"

(पूर्व भाग में पांच कोस पर दुर्वासा मुनि का आश्रम, ककरा गांव में। पश्चिम दिशा में पांच कोस पर बरखण्डी महादेव का मंदिर। दक्षिण में पांच कोस पर पर्णाश मुनि का आश्रम वर्तमान में पनासा गांव और अक्षयवट से पांच कोस उत्तर दिशा में मण्डलेश्वरनाथ यानि पण्डिला महादेव का मंदिर। यही पंचकोसी परिक्रमा की सीमा है।)

प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

www.kumbh.gov.in /PrayagrajKumbh /PrayagrajKumbh /Kumbh.2019 /Kumbh2019

परिक्रमा का क्रम निम्नवत् रहेगा:

1. परिक्रमा त्रिवेणी संगम में स्नान, पूजा व आरती के बाद 07 फरवरी 2019 को सुबह आठ बजे प्रारम्भ होगी। अक्षयवट, सरस्वती कुण्ड के बाद मोटर बोट से बनखण्डी महादेव, तत्क्षक तीर्थ से मौजगिरी बाबा घाट पर स्थित मौजगिरि मन्दिर (भृगु ऋषि) में दर्शन-पूजन के बाद नाश्ता/भोजन आदि इसके बाद मोटर बोट से सूर्य टन्केश्वर मन्दिर, चक्र माधव, गदा माधव, पर्णास ऋषि के आश्रम क्षेत्र और सोमेश्वर महादेव मन्दिर यहीं पर सभी वाहन मिलेंगे और वाहनों से मेले का वी.आई.पी. पीपा पुल पार करके झूंसी के शंख माधव के दर्शन के बाद दुर्वाशा ऋषि आश्रम के बाद संगम के सेक्टर 16 में स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े (समिष्टी भंडारा स्थल) भोजन, भजन कीर्तन व रात्रि विश्राम।

2. दूसरे दिन 08 फरवरी 2019 को सुबह आठ बजे संगम से हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, चेतनपुरी समाधी (जूना आखाड़ा), पण्डिला महादेव का दर्शन कर बख्शी बाँध होते हुए नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेघ मंदिर, वेणी माधव मंदिर और यहीं शाम का नाश्ता इसके बाद वापस संगम के सेक्टर 16 में स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े (समिष्टी भंडारा स्थल) भोजन, भजन कीर्तन व रात्रि विश्राम।

3. तीसरे दिन 09 फरवरी 2019 को सुबह नौ बजे तीन दिवसीय प्रयाग परिक्रमा का समापन महर्षि भरद्वाज के अभिषेक से होगा। सुबह करीब दस बजे गंगाजल से भरा कलश लेकर साधू-संतों और श्रद्धालुओं की शोभायात्रा संगम से भरद्वाज आश्रम के लिये प्रस्थान करेगी। वहां महर्षि भरद्वाज का अभिषेक होगा। शाम पाँच बजे से संगम तट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन होगा। इस दौरान कुछ विभूतियों को महर्षि भरद्वाज, भृगु मुनि, पर्णास ऋषि और दुर्वासा मुनि की स्मृति में सम्मानित भी किया जा सकता है